Test Code: UPMTS-9

टेस्ट - 9
सामान्य हिंदी

निर्धारित समय: तीन घण्टे **अधिकतम अंक:** 150

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें:

i. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
ii. प्रत्येक प्रश्न के अंत में निर्धारित अंक अंकित हैं।
iii. पत्र, प्रार्थना पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य किसी का नाम, पता (प्रश्नपत्र में दिये गये नाम, पदनाम आदि को छोड़कर) एवं अनुक्रमांक न लिखें। आवश्यक होने पर क, ख, ग का उल्लेख कर सकते हैं।

Test - 9
General Hindi

Time Allowed: Three Hours **Maximum Marks:** 150

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

i. All questions are compulsory.
ii. Marks are given against each of the question.
iii. Do not write your or another's name, address (excluding those name, designation etc. given in the question paper) and roll no. with letter, application or any other question. You can mention क, ख, ग if necessary.

1. आज यदि आप संसार की सारी समस्याओं का विश्लेषण करें तो इनके मूल में एक ही बात पायेंगे-मनुष्य की तृष्णा। यह अद्भुत तृष्णा कहीं समाप्त होने का नाम नहीं लेती। मनुष्य में सर्वत्र अभाव-ही-अभाव भर गया है। जीवन की वह परिपूर्णता कम हो गई है जो मनुष्य को याचक न बनाकर दाता बनाती है। आज उत्पादन बढ़ाने की धूम है, जीवन का स्तर ऊँचा उठाने का संकल्प मुखर है, परन्तु जीवन में वह उच्छलित आनन्द कैसे आयेगा जो मनुष्य को संयत और सन्तुष्ट बना सके, इसकी चिन्ता किसी को नहीं है। मैं भौतिक समृद्धि के प्रयत्नों को छोटा बनाने के उद्देश्य से यह बात नहीं कह रहा हूँ। उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक है, जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयत्न भी श्लाघ्य है, पर इतने से समस्या का हल नहीं हो जाता। तृष्णा वह आग है जिसके पेट में जितना भी झोंक दीजिए सब भस्म हो जायेगा। उस वस्तु की खोज होनी चाहिए जो मनुष्य को छोटे प्रयोजनों में बाँधने के बदले उसे प्रयोजनातीत सत्य की ओर उन्मुख करे। साहित्य और संगीत यही काम करते हैं, कला और सौन्दर्य उसे इसी ओर ले जाते हैं। नितान्त उपयोगिता की दृष्टि से भी विचार किया जाए तो मनुष्य समाज की स्थिति के लिए-सभ्यता और संस्कृति की रक्षा के लिए ही यह आवश्यक हो गया है कि मनुष्य अपने उस महान् उन्नायक धर्म की उपेक्षा न करे जो उसे क्षुद्रता और संकीर्णता से ऊपर उठाते हैं। भौतिक समृद्धि को बढ़ाने का प्रयत्न होना चाहिए, पर उसे सन्तुलित करने के लिए साहित्य और संगीत आदि का भी बहुल प्रचार वांछनीय है। प्रयोजनों की सीमा छोड़कर पशुसुलभ आहार-निद्रा के धरातल से ऊपर उठकर ही मनुष्य उस महिमा को पाता है, जो उसे देवता बनाते हैं।

(क) इस अवतरण में आए 'प्रयोजनातीत सत्य' और 'महान् उन्नायक धर्म' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) उपर्युक्त अवतरण का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। 5

(ग) उपर्युक्त अवतरण में रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए। 20

2. सम्प्रदायवाद और राजनीतिक जातिवाद में एक समानता ध्यान देने योग्य है। सम्प्रदायवाद की तरह ही पिछड़ावर्गवाद या अन्य किसी भी प्रकार का राजनीतिक जातिवाद भी वर्गीय एकता को तोड़ने का काम करता है। इस प्रकार वह जनतांत्रिक मूल्यों का विरोधी है। लेखक को इससे सावधान रहना होगा। आतंक और संकीर्णता दोनों ही लेखकों के लिए विजातीय हैं। यही कारण है कि हिन्दी ही नहीं समग्र भारतीय साहित्य की विराट परम्परा एवं विरासत में कहीं भी धर्मान्धता या कट्टरपन नहीं दिखाई पड़ता। मनुष्यता, मानवीय संवेदना रचना के लिये जरूरी है। लेकिन सम्प्रदायवाद और जातिवाद दोनों ही उनका निषेध करते हैं। लेखकीय कल्पना की भूमिका केवल बिम्बों और प्रतीकों की योजना के लिए नहीं, बल्कि समाज को, उसकी संस्कृति को मानवीय बनाने के लिए भी है। यह ऐतिहासिक दायित्व लेखकों पर आ गया है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये। 5

(ख) उक्त गद्यांश का संक्षेपण एक-तिहाई शब्दों में कीजिए। 25

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) जिला कलेक्टर की ओर से मंडल आयुक्त को एक पत्र (शासकीय पत्र) लिखिए। इस पत्र में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में स्वच्छता के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम आम लोगों के क्रिया-कलाप को किस तरह प्रभावित किया, का विवरण हो। 10

(ख) परिपत्र से आप क्या समझते हैं? जिला अधिकारी की ओर से जिले के सभी मुखिया के लिए सफाई व्यवस्था पर ध्यान रखने के लिए परिपत्र का एक प्रारूप तैयार कीजिए। 10

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए। 10

ऋत, उदयाचल, एषणा, करुण, पुष्ट, जड़, ऋजु, सत्कार, तृषा, चिरन्तन।

5. (क) निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग लिखिए: 5

उनसठ, निकम्मा, दुर्जन, व्यर्थ, अत्युत्कट।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को अलग कीजिए। 5

मिलाप, खवैया, लिखाई, लुटेरा, खिलौना।

6. निम्नलिखित वाक्यों या पदबन्धों के लिए एक-एक शब्द लिखिए। 10

i. पर्वत की तलहटी
ii. पीढ़ी दर पीढ़ी चला आने वाला
iii. जिसके पास घर न हो
iv. आदि से अंत तक
v. जो धरती फोड़कर जन्मता हो

7. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए। 5

i. आपकी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
ii. मैं गुरु जी से श्रद्धा करता हूँ।
iii. भोजन बहुत सुन्दर बना है।
iv. तमाम देश में यह बात फैल गई।
v. उसकी सौजन्यता से यह कार्य हुआ है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिए। 5

i. अनुग्रहित
ii. गरिष्ट
iii. अनाधिकृत
iv. प्रज्ज्वलित
v. जागृत

8. निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों का अर्थ लिखिए और उनका वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाये। 10+20=30

i. चौथ का चाँद होना
ii. जमीन आसमान एक करना
iii. जूतम पैजार
iv. टाट उलटना
v. खटिया सेना
vi. अंधी पीसे कुत्ता खाये
vii. एक मुँह दो बात
viii. घोड़ों का घर कितनी दूर
ix. थका ऊँट सराय ताकता है
x. खल की दवा, पीठ की पूजा

Scan this QR code to share your feedback